www.facebook.com/rashtriyasahara https://twitter.com/SaharaRashtr

राष्ट्रीय
सहारा

राष्ट्रीयता ■ कर्त्तव्य ■ समर्पण

मानव संसाधन विकास पर दो दिवसीय वैज्ञानिक प्रशिक्षण

कानपुर (एसएनबी)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) कानपुर के प्रसार निदेशालय के लाल बहादुर शास्त्री सभागार कक्ष में दो दिवसीय कृषि विज्ञान केंद्रों के उद्यान, पादप रोग एवं गृह वैज्ञानिकों के लिए प्रशिक्षण का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर निदेशक शोध डॉ. पीके सिंह ने नवीन कृषि तकनीकियों तथा जलवायु परिवर्तन के अनुकूल प्रजातियों के प्रयोग की सलाह दी। आईसीएआर अटारी कानपुर के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. राघवेंद्र सिंह द्वारा संरक्षित खेती तथा पाली हाउस में सब्जियों की खेती के लाभ तथा सावधानियां विषय पर जानकारी दी गई। अटारी की वैज्ञानिक डॉ. सीमा यादव ने दुग्ध मूल्य संवर्धन पदार्थों के निर्माण तथा कृषक महिलाओं को रोजगार से जोड़ने संबंधी जानकारी दी। निदेशक प्रसार डॉ. आरके यादव ने कृषि विज्ञान केंद्रों के कार्य तथा लघु एवं सीमांत कृषकों तक तकनीकी को प्रभावी ढंग से पहुंचाने पर जोर दिया। डॉ. अनिल सचान प्राध्यापक एवं अध्यक्ष मृदा विज्ञान द्वारा संबंधित उर्वरकों के प्रबंधन तथा मृदा स्वास्थ्य के बारे में वैज्ञानिक जानकारी दी गई। डॉ. संजीव कुमार सहायक प्राध्यापक ने सब्जियों के उत्पादन तकनीक, जल प्रबंधन एवं खरपतवार प्रबंधन की जानकारी दी। इस अवसर पर डॉ. पीके राठी सह निदेशक प्रसार, डॉ. एसएल वर्मा सहित कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिक सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

बीएचयू दृश्य कला संकाय के कला इतिहासकार प्रो. शांतिस्वरुप सिन्हा और सीएसजेएम... ...ष श्रीवास्तव ने प्रदर्शनी का उद्घाटन कि... ...के देखने के लिए खुली रहेगी।

हिन्दुस्तान 04.03.2025

संरक्षित विधि से सब्जी का होगा अधिक उत्पादन

कानपुर। सीएसए के प्रसार निदेशालय की ओर से सोमवार को प्रशिक्षणं कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वैज्ञानिकों ने संरक्षित विधि से शाक-भाजी उगाने की विधियों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्रों के उद्यान, पादप रोग एवं गृह वैज्ञानिकों ने हिस्सा लिया। अटारी कानपुर के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. राघवेंद्र सिंह ने बताया कि सब्जी की खेती में अत्याधुनिक संरक्षित विधि (पाली हाउस) बेहद कारगर है।

भाषण प्रतियोगिता में नंदिनी बनीं विजेता

सत्य का असर समाचार पत्र

Lorem Ipsum is simply dummy text of the printing and typesetting industry.

Tue, 04 Mar 2025 | मोबाइल नंबर 9956834016

पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

मानव संसाधन विकास पर दो दिवसीय वैज्ञानिक प्रशिक्षण का हुआ शुभारंभ ।

पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल सत्य का असर समाचार पत्र कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय के लाल बहादुर शास्त्री सभागार कक्ष में दो दिवसीय कृषि विज्ञान केंद्रों के उद्यान, पादप रोग एवं गृह वैज्ञानिकों हेतु प्रशिक्षण शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर निदेशक शोध डॉ पी के सिंह ने नवीन कृषि तकनीकियों तथा जलवायु परिवर्तन के अनुकूल प्रजातियों के प्रयोग की सलाह दी।आईसीएआर अटारी कानपुर के प्रधान वैज्ञानिक डॉ राघवेंद्र सिंह द्वारा संरक्षित खेती तथा पाली हाउस में सब्जियों की खेती के लाभ तथा सावधानियां विषय पर जानकारी दी गई। अटारी की वैज्ञानिक डॉक्टर सीमा यादव ने दुग्ध मूल्य संवर्धन पदार्थों के निर्माण तथा कृषक महिलाओं को रोजगार से जोड़ने संबंधी जानकारी दी। निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव ने कृषि विज्ञान केंद्रों के कार्य तथा लघु एवं सीमांत कृषकों तक तकनीकी को प्रभावी ढंग से पहुंचाने पर जोर दिया। डॉ अनिल सचान प्राध्यापक एवं अध्यक्ष मृदा विज्ञान द्वारा संबंधित उर्वरकों के प्रबंधन तथा मृदा स्वास्थ्य के बारे में वैज्ञानिक जानकारी दी गई जबकि डॉ संजीव कुमार सहायक प्राध्यापक ने सब्जियों के उत्पादन तकनीक, जल प्रबंधन एवं खरपतवार प्रबंधन की जानकारी दी। इस अवसर पर डॉक्टर पीके राठी सह निदेशक प्रसार, डॉ एसएल वर्मा सहित कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिक सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

संवाददाता। कानपुर पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

आईसीएआर अटारी कानपुर के प्रधान वैज्ञानिक डॉ राघवेंद्र सिंह द्वारा संरक्षित खेती तथा पाली हाउस में सब्जियों की खेती के लाभ तथा सावधानियां विषय पर जानकारी दी गई।

वर्ष-18 अंक-127 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए कानपुर, मंगलवार 04 मार्च 2025

कानपुर से प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, ऐटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात, औरैया में प्रसारित

दैनिक

RNI No.- UPHIN/2007/27090

नगर छाया

आप की आवाज़.....

मानव संसाधन विकास पर दो दिवसीय

वैज्ञानिक प्रशिक्षण का हुआ शुभारंभ

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय के लाल बहादुर शास्त्री सभागार कक्ष में दो दिवसीय कृषि विज्ञान केंद्रों के उद्यान, पादप रोग एवं गृह वैज्ञानिकों हेतु प्रशिक्षण शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर निदेशक शोध डॉ पी के सिंह ने नवीन कृषि तकनीकियों तथा जलवायु परिवर्तन के अनुकूल प्रजातियों के प्रयोग की सलाह दी।आईसीएआर अटारी कानपुर के प्रधान वैज्ञानिक डॉ राघवेंद्र सिंह द्वारा संरक्षित खेती तथा पाली हाउस में सब्जियों की खेती के लाभ तथा सावधानियां विषय पर जानकारी दी गई। अटारी की वैज्ञानिक डॉक्टर सीमा यादव ने दुग्ध मूल्य संवर्धन पदार्थों के निर्माण तथा कृषक महिलाओं को रोजगार से जोड़ने संबंधी जानकारी दी। निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव ने कृषि विज्ञान केंद्रों के कार्य तथा लघु एवं सीमांत कृषकों तक तकनीकी को प्रभावी ढंग से पहुंचाने पर जोर दिया। डॉ अनिल सचान प्राध्यापक एवं अध्यक्ष मृदा विज्ञान द्वारा संबंधित उर्वरकों के प्रबंधन तथा मृदा स्वास्थ्य के बारे में वैज्ञानिक जानकारी दी गई जबकि डॉ संजीव कुमार

सहायक प्राध्यापक ने सब्जियों के उत्पादन तकनीक, जल प्रबंधन एवं खरपतवार प्रबंधन की जानकारी दी। इस अवसर पर डॉक्टर पीके राठी सह निदेशक प्रसार, डॉ एसएल वर्मा सहित कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिक सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

मानव संसाधन विकास पर दो दिवसीय वैज्ञानिक प्रशिक्षण शुरू

मुख्य अतिथि का स्वागत करते लोग।

कानपुर, 3 मार्च। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रसार निदेशालय के लाल बहादुर शास्त्री सभागार कक्ष में दो दिवसीय कृषि विज्ञान केंद्रों के उद्यान, पादप रोग एवं गृह वैज्ञानिकों हेतु प्रशिक्षण शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर निदेशक शोध डॉ पी के सिंह ने नवीन कृषि तकनीकियों तथा जलवायु परिवर्तन के अनुकूल प्रजातियों के प्रयोग की सलाह दी।आईसीएआर अटारी कानपुर के प्रधान वैज्ञानिक डॉ राघवेंद्र सिंह द्वारा संरक्षित खेती तथा पाली हाउस में सब्जियों की खेती के लाभ तथा सावधानियां विषय पर जानकारी दी गई। अटारी की वैज्ञानिक डॉक्टर सीमा यादव ने दुग्ध मूल्य संवर्धन पदार्थों के निर्माण तथा कृषक महिलाओं को रोजगार से जोड़ने संबंधी जानकारी दी। निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव ने कृषि विज्ञान केंद्रों के कार्य तथा लघु एवं सीमांत कृषकों तक तकनीकी को प्रभावी ढंग से पहुंचाने पर जोर दिया। डॉ अनिल सचान प्राध्यापक एवं अध्यक्ष मृदा विज्ञान द्वारा संबंधित उर्वरकों के प्रबंधन तथा मृदा स्वास्थ्य के बारे में वैज्ञानिक जानकारी दी गई जबकि डॉ संजीव कुमार सहायक प्राध्यापक ने सब्जियों के उत्पादन तकनीक, जल प्रबंधन एवं खरपतवार प्रबंधन की जानकारी दी। इस अवसर पर डॉक्टर पीके राठी सह निदेशक प्रसार, डॉ एसएल वर्मा सहित कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिक सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

कानपुर सिनेमा

DELITE
BIG SCREEN CINEMA
DIGITAL PICTURE
DIGITAL SOUND
AIR COOLED
big
ता. 28 से अखिल भारतीय महान उद्घाटन
शाहिद कपूर
पूजा हेगड़े
कुब्रा सेत
पावेल गुलाटी
परवेश राना
रोजाना 4 शो
देवा
Show Time : 12.30, 3.30, 6.30. 9.30

नावेल्टी सिनेमा
लाटूस रोड, मूलगंज, कानपुर
AIR CONDITIONED
DIGITAL SOUND
DIGITAL PICTURE
ता. 14 से
भव्य पदर्शन
• विक्की कौशल
रोजाना 4 शो

अंक-4 कानपुर, मंगलवार 4 मार्च 2025 पृष्ठ-8

दैनिक

आज का कानपुर

मानव संसाधन विकास पर दो दिवसीय वैज्ञानिक प्रशिक्षण का हुआ शुभारंभ

आज का कानपुर

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय के लाल बहादुर शास्त्री सभागार कक्ष में दो दिवसीय कृषि विज्ञान केंद्रों के उद्यान, पादप रोग एवं गृह वैज्ञानिकों हेतु प्रशिक्षण शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर निदेशक शोध डॉ पी के सिंह ने नवीन कृषि तकनीकियों तथा जलवायु परिवर्तन के अनुकूल प्रजातियों के प्रयोग की सलाह दी।आईसीएआर अटारी कानपुर के प्रधान वैज्ञानिक डॉ राघवेंद्र सिंह द्वारा संरक्षित खेती तथा पाली हाउस में सब्जियों की खेती के लाभ तथा सावधानियां विषय पर जानकारी दी गई। अटारी की वैज्ञानिक डॉक्टर सीमा यादव ने दुग्ध मूल्य संवर्धन पदार्थों के निर्माण तथा कृषक महिलाओं को रोजगार से जोड़ने संबंधी जानकारी दी। निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव ने कृषि विज्ञान केंद्रों के कार्य तथा लघु एवं सीमांत कृषकों तक तकनीकी को प्रभावी ढंग से पहुंचाने पर जोर दिया। डॉ अनिल सचान प्राध्यापक एवं अध्यक्ष मृदा विज्ञान द्वारा संबंधित उर्वरकों के प्रबंधन तथा मृदा स्वास्थ्य के बारे में वैज्ञानिक जानकारी दी गई जबकि डॉ संजीव कुमार सहायक प्राध्यापक ने सब्जियों के उत्पादन तकनीक, जल प्रबंधन एवं खरपतवार प्रबंधन की जानकारी दी। इस अवसर पर डॉक्टर पीके राठी सह निदेशक प्रसार, डॉ एसएल वर्मा सहित कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिक सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

से कनेक्टिविटी में भी परेशानी हुई। डीआईओएस अरुण कुमार ने कई केंद्रों का निरीक्षण किया। (ब्यूरो)

अमर उजाला 04/03/2024

शाक-भाजी उगाने की विधि बताई

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के प्रसार निदेशालय की ओर से लाल बहादुर शास्त्री सभागार में सोमवार को शाक भाजी उगाने का प्रशिक्षण दिया गया। इसमें विज्ञानिकों को संरक्षित विधि से शाक-भाजी उगाने की विधि बताई गई। अटारी कानपुर के प्रधान विज्ञानी डॉ. राघवेंद्र सिंह ने बताया कि सब्जी की खेती में अत्याधुनिक संरक्षित विधि (पाली हाउस) बेहद कारगर है। इससे सब्जी की गुणवत्ता बेहतर होती है, और उत्पादन में भी वृद्धि देखी गई है। विवि के निदेशक शोध डॉ. पीके सिंह ने नवीन कृषि तकनीकों तथा जलवायु परिवर्तन के अनुकूल प्रजातियों के प्रयोग की सलाह दी। मृदा विज्ञानी डॉ. अनिल सचान, डॉ. संजीव कुमार ने सब्जी उत्पादन के आधुनिक तरीकों पर चर्चा की। (ब्यूरो)

क रहस्य
में कार्यक्रम
ना,विज्ञापन,
विज्ञप्ति आदि
लिए संपर्क
करें:-
9870715738

हिंदी दैनिक

रहस्य संदेश

अंक-63 मंगलवार, 04 मार्च 2025 लखनऊ व एटा से प्रकशित R.N.I. No.: UPHIN/2007/20715 पृष्ठ- 4

मानव संसाधन विकास पर दो दिवसीय वैज्ञानिक प्रशिक्षण का हुआ शुभारंभ

अनवर अशरफ

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय के लाल बहादुर शास्त्री सभागार कक्ष में दो दिवसीय कृषि विज्ञान केंद्रों के उद्यान, पादप रोग एवं गृह वैज्ञानिकों हेतु प्रशिक्षण शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर निदेशक शोध डॉ पी के सिंह ने नवीन कृषि तकनीकियों तथा जलवायु परिवर्तन के अनुकूल प्रजातियों के प्रयोग की सलाह दी।आईसीएआर अटारी कानपुर के प्रधान वैज्ञानिक डॉ राघवेंद्र सिंह द्वारा संरक्षित खेती तथा पाली हाउस में सब्जियों की खेती के लाभ तथा सावधानियां विषय पर जानकारी दी गई। अटारी की वैज्ञानिक डॉक्टर सीमा यादव ने दुग्ध मूल्य संवर्धन पदार्थों के निर्माण तथा कृषक महिलाओं को रोजगार से जोड़ने संबंधी जानकारी दी।

निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव ने कृषि विज्ञान केंद्रों के कार्य तथा लघु एवं सीमांत कृषकों तक तकनीकी को प्रभावी ढंग से पहुंचाने पर जोर दिया। डॉ अनिल सचान प्राध्यापक एवं अध्यक्ष मृदा विज्ञान द्वारा संबंधित उर्वरकों के प्रबंधन तथा मृदा स्वास्थ्य के बारे में वैज्ञानिक जानकारी दी गई जबकि डॉ संजीव कुमार सहायक प्राध्यापक ने सब्जियों के उत्पादन तकनीक, जल प्रबंधन एवं खरपतवार प्रबंधन की जानकारी दी। इस अवसर पर डॉक्टर पीके राठी सह निदेशक प्रसार, डॉ एसएल वर्मा सहित कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिक सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।